



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित



संख्या - 345 राँची, सोमवार,  
13 ज्येष्ठ, 1946 (श०)  
3 जून, 2024 (ई०)

### विधि (विधान) विभाग

-----

अधिसूचना

31 मई, 2024

संख्या-एल०जी०-11/2017-31--लेज०, झारखंड विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम जिस पर माननीय राज्यपाल दिनांक-24/05/2024 को अनुमति दे चुके हैं, इसके द्वारा सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है।

### झारखण्ड माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2024

(झारखण्ड अधिनियम- 05, 2024)

#### विषय सूची

- संक्षिप्त नाम विस्तार एवं प्रारम्भ
- झारखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (झारखण्ड अधिनियम- 12, 2017) की धारा 2 में संशोधन
- धारा 24 में संशोधन
- झारखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (झारखण्ड अधिनियम- 12, 2017) के साथ संलग्न अनुसूची- III में संशोधन

## झारखण्ड माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2024

झारखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (झारखण्ड अधिनियम 12, 2017) में संशोधन हेतु अधिनियम।

भारत गणराज्य के 74वें वर्ष में झारखण्ड के राज्य विधान-मंडल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो -

1. **संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ** (1) यह अधिनियम झारखण्ड माल और सेवा कर) संशोधन (अधिनियम, 2024 कहा जाएगा।

(2) यह पूरे झारखण्ड राज्य में लागू होगा।

(3) अन्यथा उपबंधित के सिवाय, अधिनियम के उपबंध उस तारीख को प्रवृत्त होंगे, जो झारखण्ड सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे:

परन्तु इस अधिनियम के भिन्न-भिन्न उपबंधों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और ऐसे किसी उपबंध में इस अधिनियम के प्रारंभ के प्रति किसी निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस उपबंध के प्रारंभ के प्रति निर्देश है।

### 2. धारा 2 का संशोधन।

झारखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 2 में,-

(क) खंड (80) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

“(80क) "ऑनलाइन गेम खेलना" से इंटरनेट या इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर गेम की प्रस्थापना अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत ऑनलाइन धनीय गेम खेलना भी है ;

“(80ख) "ऑनलाइन धनीय गेम खेलना" से ऐसा ऑनलाइन गेम खेलना अभिप्रेत है, जिसमें खिलाड़ी किसी आयोजन में, जिसमें गेम, स्कीम, प्रतिस्पर्धा या कोई अन्य क्रियाकलाप या प्रक्रिया भी है, धन या धन के मूल्य, जिसके अंतर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी हैं, को जीतने की प्रत्याशा में, धन या धन के मूल्य का संदाय या जमा करता है, जिसके अंतर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी हैं, चाहे इसका परिणाम या निष्पादन कौशल, अवसर या दोनों पर आधारित हो या नहीं, तथा चाहे वह तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन अनुज्ञेय हो या नहीं ;”;

(ख) खंड (102) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(102क) “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावे” से,-

- (i) दांव लगाने ;
- (ii) कैसिनो ;
- (iii) द-यूतक्रीड़ा ;
- (iv) घुड़दौड़ ;
- (v) लाटरी ; या
- (vi) ऑनलाइन धनीय गेम खेलना,

में अंतर्वलित या उनके माध्यम से अनुयोज्य दावा अभिप्रेत है ।’;

(ग) खंड (105) में, अंत में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु कोई व्यक्ति, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों की पूर्ति की व्यवस्था या ठहराव करता है, जिसके अंतर्गत वह व्यक्ति भी है, जो ऐसी पूर्ति के लिए डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म का स्वामी है या उसका प्रचालन या प्रबंधन करता है, ऐसे अनुयोज्य दावों का पूर्तिकार समझा जाएगा, चाहे ऐसे अनुयोज्य दावे, उसके द्वारा या उसके माध्यम से पूर्ति किए जाते हों और चाहे ऐसे अनुयोज्य दावों की पूर्ति के लिए धन या धन के मूल्य, जिसके अंतर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी है, में प्रतिफल, उसको या उसके माध्यम से संदत्त या सूचित किए जाते हैं या किसी भी रीति में उसको दिए जाते हैं, और इस अधिनियम के सभी उपबंध विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों के ऐसे पूर्तिकार को लागू होंगे, मानो वह ऐसे अनुयोज्य दावों की पूर्ति करने के संबंध में कर का संदाय करने के लिए दायी पूर्तिकार हो।”;

(घ) खंड (117) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(117क) ‘आभासी डिजिटल आस्ति’ का वही अर्थ होगा, जो आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 2 के खंड (47क) में उसका है;।

### 3. धारा 24 का संशोधन।

मूल अधिनियम की धारा 24 में, -

(क) खंड (xi) में, अंत में, “और” शब्द का लोप किया जाएगा ;

(ख) खंड (xi) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(xi क) भारत से बाहर किसी स्थान से, भारत में किसी व्यक्ति को ऑनलाइन धनीय गेम खेलने की पूर्ति करने वाला प्रत्येक व्यक्ति ; और”।

#### 4. अनुसूची 3 का संशोधन।

मूल अधिनियम की अनुसूची 3 के पैरा 6 में, “लाटरी, दांव और द-यूत” शब्दों के स्थान पर, “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों” शब्द रखे जाएंगे।

#### 5. संक्रमणकालीन उपबंध।

इस अधिनियम के अधीन किए गए संशोधन, दांव लगाने, कैसिनो, द्यूतक्रीड़ा, घुड़दौड़, लाटरी या ऑनलाइन गेम खेलने को प्रतिषिद्ध, निर्बंधित या विनियमित करने का उपबंध करने वाली तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेंगे।

#### 6. निरसन एवं व्यवृत्तियाँ

(i) झारखण्ड माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2023 को एतद्द्वारा निरसित किया जाता है।

(ii) ऐसे निरसन के बावजूद उक्त अध्यादेश के तहत किया गया कोई कार्य या की गयी कोई कार्रवाई इस अधिनियम के अधीन किया गया या की गई समझी जाएगी। मानो यह अधिनियम उस समय प्रवृत्त था जब ऐसा कार्य किया गया था या कार्रवाई की गई थी।

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

**नलिन कुमार,**  
प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी  
विधि विभाग, झारखंड, राँची।

## विधि (विधान) विभाग

-----

### अधिसूचना

31 मई, 2024

संख्या-एल0जी0-11/2017-32--लेज० झारखंड विधान मंडल द्वारा यथा पारित और माननीय राज्यपाल द्वारा दिनांक-24/05/2024 को अनुमत झारखण्ड माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2024 का निम्नांकित अंग्रेजी अनुवाद झारखंड राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जिसे भारत का संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन उक्त अधिनियम का अंग्रेजी भाषा में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

#### Subject List

1. Short title and commencement
2. Amendment of Section 2
3. Amendment of Section 24.
4. Amendment of Schedule III
5. Transitory provision

## ***Jharkhand Goods and Services Tax (Amendment) Act, 2024*** **(Jharkhand Act, 05, 2024)**

An Act to amend Jharkhand Goods and Services Tax Act, 2017 (Jharkhand Act 12, 2017).

Be it enacted by Legislature of Jharkhand in the Seventy Four year of the Republic of India as follows:-

**1. Short title and commencement.** - (1) This Act may be called the Jharkhand Goods and Services Tax (Amendment) Act, 2024.

(2) It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

(3) Save as otherwise provided, the provisions of this Act shall come into force on such date as the Government of Jharkhand may, by notification in the Official Gazette, appoint:

Provided that different dates may be appointed for different provisions of this Act and any reference in any such provision to the commencement of this Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision.

### **2. Amendment of Section 2.**

In section 2 of the Jharkhand Goods and Services Tax Act, 2017 (hereinafter referred to as the principal Act),—

(a) after clause (80), the following clauses shall be inserted, namely:—

'(80A) "online gaming" means offering of a game on the internet or an electronic network and includes online money gaming;

(80B) "online money gaming" means online gaming in which players pay or deposit money or money's worth, including virtual digital assets, in the expectation of winning money or money's worth, including virtual digital assets, in any event including game, scheme, competition or any other activity or process, whether or not its outcome or performance is based on skill, chance or both and whether the same is permissible or otherwise under any other law for the time being in force;';

(b) after clause (102), the following clause shall be inserted, namely:—

'(102A) "specified actionable claim" means the actionable claim involved in or by way of—

- (i) betting;
- (ii) casinos;
- (iii) gambling;
- (iv) horse racing;
- (v) lottery; or
- (vi) online money gaming;';

(c) in clause (105), the following proviso shall be inserted at the end, namely:—

"Provided that a person who organises or arranges, directly or indirectly, supply of specified actionable claims, including a person who owns, operates or manages digital or electronic platform for such supply, shall be deemed to be a supplier of such actionable claims, whether such actionable claims are supplied by him or through him and whether consideration in money or money's worth, including virtual digital assets, for supply of such actionable claims is paid or conveyed to him or through him or placed at his disposal in any manner, and all the provisions of this Act shall apply to such supplier of specified actionable claims, as if he is the supplier liable to pay the tax in relation to the supply of such actionable claims;"

(d) after clause (117), the following clause shall be inserted, namely:—

“(117A) "virtual digital asset" shall have the same meaning as assigned to it in clause (47A) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 ;’.

### 3. Amendment of Section 24.

In section 24 of the principal Act,—

- (a) in clause (xi), the word "and" occurring at the end, shall be omitted;
- (b) after clause (xi), the following clause shall be inserted, namely:—

“(xia) every person supplying online money gaming from a place outside India to a person in India; and”.

### 4. Amendment of Schedule III.

In the principal Act, in Schedule III, in paragraph 6, for the words "lottery, betting and gambling" the words "specified actionable claims" shall be substituted.

### 5. Transitory provision.

The amendments made under this Act shall be without prejudice to provisions of any other law for the time being in force, providing for prohibiting, restricting or regulating betting, casino, gambling, horse racing, lottery or online gaming.

### 6. Repeal and Savings:-

(i) Jharkhand Goods and Services Tax (Amendment) Ordinance, 2023 is hereby repealed.

(ii) Notwithstanding such repeal, any work done or any action taken under such ordinance shall be deemed to be done under this Act. As such this Act was in effect, when such work was done or action was taken.

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

नलिन कुमार,

प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी

विधि विभाग, झारखंड, राँची ।

-----